सफलता की कहानी

राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ

राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ लि., जयपुर राज्य स्तर की उपभोक्ता क्षेत्र की एक शीर्ष सहकारी संस्था है। उपभोक्ता संघ की स्थापना सन् 1967 में की गई है।

उपभोक्ता संघ अपनी स्थापना से ही सदस्य सहकारी उपभोक्ता भण्डारों के कारोबारों को समन्वित करना, उनको सुविधाएं प्रदान करना, उन्हे प्रोत्साहित करना एवं होलसेल भण्डारों के गठन एवं विकास में सहायता देकर सहकारी उपभोक्ता आंदोलन के सुदृढीकरण के उद्देश्य को पूरा कर रहा है।

उपभोक्ता संघ द्वारा अप्रेल 2012 से पूर्व नियंत्रित वस्तुओं का व्यवसाय किया जाता था। व्यापारियों की कालाबाजारी को रोक कर चीनी जैसी आमजन की जरूरत की वस्तुओं को उपलब्ध करवाकर हमेशा उपभोक्ता हितों की रक्षा की गई। आर्थिक व्यवस्था के बदलते परिदृश्य एवं नीतिगत परिवर्तन से नियंत्रित व्यवसाय में संघ की भूमिका नहीं रही परन्तु जनता को दैनिक उपभोग की वस्तुएं, शुद्ध मसाले/दवाइयां इत्यादि उपलब्ध कराने का ध्येय संघ द्वारा 3 अनुभागों यथा मेडिकल, मार्केटिंग व नागरिक आपूर्ति (संस्थागत सप्लाई) के माध्यम से किया जा रहा है।

- मेडिकल अनुभागः– संघ के मेडिकल अनुभाग द्वारा जयपुर जिले में 52 एलोपैथिक एवं 3 आयुर्वेदिक दवा विक्रय केन्द्रों कुल 55 दवा विक्रय केन्द्रों के माध्यम से दवाइयों का व्यवसाय किया जा रहा है। मेडिकल अनुभाग के विक्रय केन्द्रों के माध्यम से राज्य सरकार के कर्मचारियों, पेंशनर्स एवं आमजन को सस्ती एवं उच्च गुणवत्ता की दवाइयों के साथ ही जयपुर शहर के पेंशनर्स के मेडिकल बिलों का भुगतान आरटीजीएस के माध्यम से ऑनलाइन करवाया जा रहा है।
- मार्केटिंग अनुभागः– संघ के दैनिक उपयोग की वस्तुओं के विक्रय हेतु जयपुर शहर में 9 विक्रय केन्द्र है। संघ का मसाला "एगमार्क" प्रमाणित है जो कि सम्पूर्ण राज्य में सुविख्यात हैं। जनता को शुद्ध मसालें उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मसाला मेले का आयोजन किया जाता है। सीजनल व्यवसाय के रूप में दीपावली एवं राखी पर मेले का आयोजन कर एक ही छत के नीचे त्यौहारी सामान आमजन को उपलब्ध करवाया जाता है। जिनमें पटाखों एवं एमएमटीसी के सोने–चांदी के सिक्कों की खरीददारी के लिए जनता में उत्साह देखते बनता है।
- नागरिक आपूर्ति अनुभागः– अनुभाग द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के राज्य में स्थित 716 छात्रावासों के लगभग 41 हजार विद्यार्थियों के लिए प्रति माह ब्राण्डेड खाद्य सामग्री की आपूर्ति का कार्य किया गया और जनजातीय क्षेत्रीय विकास विभाग के छात्रावासों में भी खाद्य सामग्री सप्लाई का कार्य प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है।

बाजार की सतत चुनौती को भी संघ द्वारा स्वीकार किया जा रहा है। इसीलिए बदलते आर्थिक स्वरूप में जनता को सुविधा देने की अपनी प्रतिबद्धता के कारण नवीन योजनाओं को क्रियान्वित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। जिनमें अनुमोदित निजी चिकित्सालयों में दुकानें संचालित करना, पेंशनर्स को दवाइयों की होम डिलेवरी, एसएमएस अस्पताल में उपहार सुपर मार्केट व केन्टीन खोलना, ऑनलाइन शॉपिंग की सुविधा इत्यादि है।

उपभोक्ता संघ के राज्य सरकार, शीर्ष सहकारी संस्थाएं, जिला उपभोक्ता होलसेल भण्डार, क्रय विक्रय सहकारी समितियां सहित कुल 199 सदस्य है। राज्य सरकार की 289.84 लाख की हिस्सा राशि के साथ संघ की कुल हिस्सा पूंजी 317 लाख रु. है। वर्ष 2010–11 में संघ का लाभ 48.49 लाख था जो व्यावसायिक प्रतिबद्धता, कार्मिकों की मेहनत के कारण वर्ष 2015–16 में 320.08 लाख हो गया है। वर्तमान में संस्था लाभ में चल रही है तथा वर्ष 2015–16 तक का ऑडिट कार्य पूर्ण हो चुका है। संघ द्वारा वित्तीय वर्ष 2016–17 के लिए 14750 लाख के लक्ष्य के विरूद्ध सितम्बर, 2016 तक 4698 लाख का कारोबार किया जा चुका है।

उपभोक्ता संघ द्वारा आपातकालीन स्थिति जैसे बाढ़, भूकंप, कर्फ्यू इत्यादि में पीडितों को खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने हेतु राज्य सरकार के प्लेटफार्म के रूप में कार्य किया जाता रहा है। बाजार में खाद्य पदार्थ यथा प्याज, दालों इत्यादि की कीमत बढ़ने पर मूल्य पर नियत्रंण हेतु संघ द्वारा बाजार में सस्ती दरों पर खाद्य वस्तुएं उपलब्ध कराई जाती है। इन संकटकालीन परिस्थितियों में संघ द्वारा व्यावसायिक हितों से इतर सामाजिक सरोकार को भी पूरा किया गया।

नोटबंदी के दौरान उपभोक्ता वस्तुओं की उपलब्धता के संकट में संघ द्वारा आमजन को दैनिक जीवन के लिए आवश्यक खाद्य वस्तुएं 500 एवं 1000 रु. के पुराने नोटों से सरकार के दिशा–निर्देशों के अन्तर्गत उपलब्ध करवायी गई। इस समयावधि में उपभोक्ता संघ के उपहार बिक्री केन्द्रों पर पहचान का दस्तावेज प्रस्तुत कर ग्राहकों को आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की गई।

उपभोक्ता संघ द्वारा वर्षों के अथक प्रयासों द्वारा अपनी साख को कायम रखा गया है और बिग बाजार व रिलायंस फ्रेश जैसे बड़े समूहों की चुनौतियों के बावजूद आमजन मे अपने उत्पादों की शुद्धता के प्रति विश्वास कायम किया है।